

वैकल्पिक वषिय – समाजशास्त्र

प्रश्न पत्र-1

समाजशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत

- **समाजशास्त्र: विद्याशाखा**
 - (क) यूरोप में आधुनिकता एवं सामाजिक परिवर्तन तथा समाजशास्त्र का अविर्भाव ।
 - (ख) समाजशास्त्र का वषिय क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से इसकी तुलना ।
 - (ग) समाजशास्त्र एवं सामान्य बोध ।
- **समाजशास्त्र विज्ञान के रूप में:**
 - (क) विज्ञान, वैज्ञानिक पद्धति एवं समीक्षा
 - (ख) अनुसंधान क्रिया विधि के प्रमुख सिद्धांतिक तत्त्व
 - (ग) प्रत्यक्षवाद एवं इसकी समीक्षा
 - (घ) तथ्य, मूल्य एवं उद्देश्यपरकता
 - (ङ) अप्रत्यक्षवादी क्रियाविधियाँ
- **अनुसंधान पद्धतियाँ एवं विश्लेषण:**
 - (क) गुणात्मक एवं मात्रात्मक पद्धतियाँ
 - (ख) दत्त संग्रहण की तकनीक
 - (ग) परिवर्त, प्रतियोगिता, प्राक्कल्पना, विश्वसनीयता एवं वैधता
- **समाजशास्त्री चिंतक:**
 - (क) कार्ल मार्क्स-ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन विधि, विसंबंधन, वर्ग संघर्ष ।
 - (ख) इमार्शल दुखीम- श्रम विभाजन, सामाजिक तथ्य, आत्महत्या, धर्म एवं समाज ।
 - (ग) मैक्स वेबर- सामाजिक क्रिया, आदर्श प्रारूप, सत्ता, अधिकारीतंत्र, प्रोटेस्टेंट नीतिशास्त्र और पूंजीवाद की भावना ।
 - (घ) तालकॉट पार्सनस- सामाजिक व्यवस्था, प्रतियोगिता परवर्त ।
 - (ङ) राबर्ट के मर्टन- अव्यक्त तथा अभिव्यक्त प्रकार्य अनुरूपता एवं वसामान्यता संदर्भ समूह ।
 - (च) मीड- आत्म एवं तादात्म्य ।
- **सूत्रीकरण एवं गतिशीलता**
 - (क) संकल्पनाएँ- समानता, असमानता, अधिकार, अपवर्जन, गरीबी एवं वंचन ।
 - (ख) सामाजिक सूत्रीकरण के सिद्धांत- संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धांत वेबर का सिद्धांत ।
 - (ग) आयाम- वर्ग, सधति समूहों, लिंग, नृजातीयता एवं प्रजातिका सामाजिक सूत्रीकरण ।
 - (घ) सामाजिक गतिशीलता- खुली एवं बंद व्यवस्थाएँ गतिशीलता के प्रकार, गतिशीलता के स्रोत एवं कारण ।
- **कार्य एवं आर्थिक जीवन**
 - (क) विभिन्न प्रकार के समाजों में कार्य का सामाजिक संगठन- दास समाज सामंती समाज, औद्योगिक/पूंजीवादी समाज ।
 - (ख) कार्य का औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन ।
 - (ग) श्रम एवं समाज ।
- **राजनीति एवं समाज**
 - (क) सत्ता के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।
 - (ख) सत्ता प्रवर्जन अधिकारीतंत्र, दबाव समूह, राजनैतिक दल ।
 - (ग) राष्ट्र, राज्य, नागरिकता, लोकतंत्र, सविलि समाज, वचिरधारा ।
 - (घ) वरिध, आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, सामूहिक क्रिया, क्रांति ।
- **धर्म एवं समाज**
 - (क) धर्म के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।
 - (ख) धार्मिक क्रम के प्रकार- जीवाद, एकतत्त्ववाद बहुतत्त्ववाद, पंथ, उपासना, पद्धतियाँ ।
 - (ग) आधुनिक समाज में धर्म धर्म एवं विज्ञान, धर्म नरिपेक्षीकरण, धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद, मूलतत्त्ववाद ।
- **नातेदारी की व्यवस्थाएँ:**
 - (क) परिवार, गृहस्थी, विवाह
 - (ख) परिवार के प्रकार एवं रूप

- (ग) वंश एवं वंशानुक्रम
- (घ) पतितंत्र एवं शर्म का लगाधारक वभिजन
- (ङ) समसामयिक प्रवृत्तियाँ
- **आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन :**
 - (क) सामाजिक परिवर्तन के समाजशास्त्रीय सिद्धांत
 - (ख) विकास एवं पराश्रिता
 - (ग) सामाजिक परिवर्तन के कारक
 - (घ) शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन
 - (ङ) विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक परिवर्तन

प्रश्न पत्र 2

भारतीय समाज : संरचना एवं परिवर्तन

1. भारतीय समाज का परिचय:

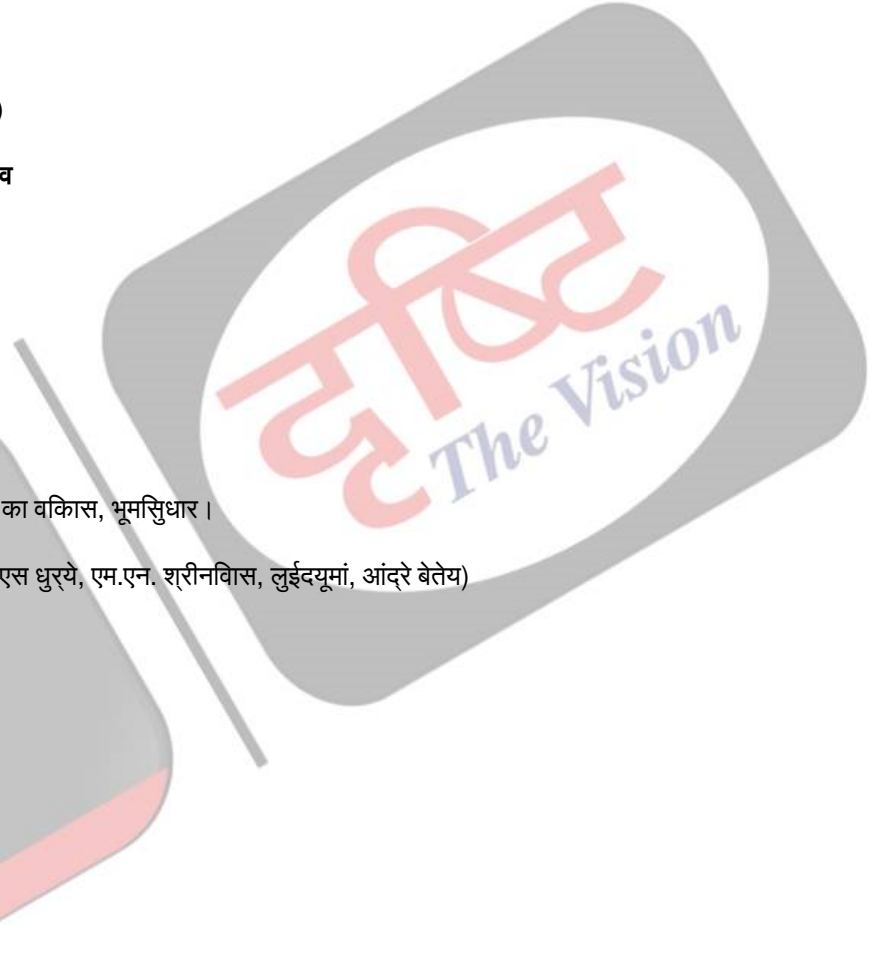
- **भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य**
 - (क) भारतीय विद्या (जी एस धुर्ये)
 - (ख) संरचनात्मक प्रकार्यवाद (एम. एन. श्रीनिवास)
 - (ग) मार्क्सवादी समाजशास्त्र (ए.आर. देसाई)
- **भारतीय समाज पर औपनिवेशिक शासन का प्रभाव**
 - (क) भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
 - (ख) भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण
 - (ग) औपनिवेशिककाल के दौरान वसिध एवं आंदोलन
 - (घ) सामाजिक सुधार

2. सामाजिक संरचना:

- **ग्रामीण एवं कृषिक सामाजिक संरचना**
 - (क) भारतीय ग्राम का विचार एवं ग्राम अध्ययन ।
 - (ख) कृषिक सामाजिक संरचना- पट्टेदारी प्रणाली का विकास, भूमिसुधार ।
- **जाति व्यवस्था**
 - (क) जाति व्यवस्था के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य (जीएस धुर्ये, एम.एन. श्रीनिवास, लुईदयूमां, आंद्रे बेतेय)
 - (ख) जाति व्यवस्था के अभिकषण
 - (ग) अस्पृश्यता-रूप एवं परिप्रेक्ष्य
- **भारत में जनजातीय समुदाय**
 - (क) परभाषीय समस्याएँ
 - (ख) भौगोलिक वसितार
 - (ग) औपनिवेशिक नीतियाँ एवं जनजातियाँ
 - (घ) एकीकरण एवं स्वायत्तता के मुद्दे
- **भारत में सामाजिक वर्ग**
 - (क) कृषिक वर्ग संरचना
 - (ख) औद्योगिक वर्ग संरचना
 - (ग) भारत में मध्यम वर्ग
- **भारत में नातेदारी की व्यवस्थाएँ**
 - (क) भारत में वंश एवं वंशानुक्रम
 - (ख) नातेदारी व्यवस्थाओं के प्रकार
 - (ग) भारत में परिवार एवं विवाह
 - (घ) परिवार घरेलू आयाम
 - (ङ) पतितंत्र, हकदारी एवं शर्म का लगाधारक वभिजन
- **धर्म एवं समाज:**
 - (क) भारत में धार्मिक समुदाय
 - (ख) धार्मिक अल्पसंख्यकों की समस्याएँ

3. भारत में सामाजिक परिवर्तन :

- **भारत में सामाजिक परिवर्तन की दृष्टियाँ**
 - (क) विकास आयोजना एवं मशरति अर्थव्यवस्था का विचार



- (ख) संवधान वधि एवं सामाजिक परिवर्तन
(ग) शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन
- **भारत में ग्रामीण एवं कृषिके रूपांतरण**
 - (क) ग्रामीण विकास कार्यक्रम, समुदाय विकास कार्यक्रम, सहकारी संस्थाएँ, गरीबी उन्मूलन योजनाएँ
 - (ख) हरति क्रांति एवं सामाजिक परिवर्तन
 - (ग) भारतीय कृषि में उत्पादन की बदलती वधियाँ
 - (घ) ग्रामीण मजदूर, बंधुआ एवं प्रवासन की समस्याएँ
 - **भारत में औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण**
 - (क) भारत में आधुनिक उद्योग का विकास
 - (ख) भारत में नगरीय बस्तियों की वृद्धि
 - (ग) श्रमिक वर्ग: संरचना, वृद्धि, वर्ग संघटन
 - (घ) अनौपचारिक क्षेत्रक, बालश्रमिक
 - (ङ) नगरी क्षेत्र में गंदी बस्ती एवं वंचन
 - **राजनीति एवं समाज**
 - (क) राष्ट्र लोकतंत्र एवं नागरिकता
 - (ख) राजनैतिक दल, दबाव समूह, सामाजिक एवं राजनैतिक प्रवर्जन
 - (ग) क्षेत्रीयतावाद एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण
 - (घ) धर्म नरिपेक्षीकरण
 - **आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन**
 - (क) कृषक एवं किसान आंदोलन
 - (ख) महिला आंदोलन
 - (ग) पछिड़ा वर्ग एवं दलित वर्ग आंदोलन
 - **जनसंख्या गतकी**
 - (क) जनसंख्या आकार, वृद्धि संघटन एवं वतिरण
 - (ख) जनसंख्या वृद्धि के घटक जन्म, मृत्यु, प्रवासन
 - (ग) जनसंख्या नीति एवं परिवार नियोजन
 - (घ) उभरते हुए मुद्दे: काल प्रभावन, लिंग अनुपात, बाल एवं शिशु मृत्यु दर, जनन स्वास्थ्य ।
 - **सामाजिक रूपांतरण की चुनौतियाँ**
 - (क) विकास का संकट: वसिथापन, पर्यावरणीय समस्याएं एवं संपोषणीयता
 - (ख) गरीबी, वंचन एवं असमानताएं
 - (ग) स्त्रियों के प्रतहिस्ति
 - (घ) जाति द्वंद्व
 - (ङ) नृजातीय द्वंद्व, सांप्रदायकिता, धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद
 - (च) असाक्षरता तथा शिक्षा में समानताएँ